

बर्ष:- 05

अंक:- 354

मुरादाबाद

(Sunday)

19 April 2026

पृष्ठ:-8

मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

कर्म न लिखूं सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001



मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

महिला आरक्षण पर तमिलनाडु में बोले प्रधानमंत्री, अपर्णा यादव का विधानसभा पर दुख-दर्द अपनों के बीच बांटना चाहता हूँ प्रदर्शन, सपा-कांग्रेस का झंडा जलाया; अखिलेश बोले- 12 महिलाओं को तो भेजती भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तमिलनाडु के कोयंबटूर में चुनावी रैली को संबोधित करने पहुंचे। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कहा, वे अपना दुख-दर्द अपनों के बीच बांटना चाहते हैं। पीएम मोदी ने संसद में विरोध करने वाली कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लिया। बकौल पीएम मोदी महिला आरक्षण को लेकर उनकी लड़ाई खत्म नहीं हुई है तमिलनाडु का चुनावी पारा चढ़ने लगा है। प्रचार के अंतिम हफ्ते में सभी दल पूरी ताकत झोंक रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज



कोयंबटूर में भाजपा-एनडीए की एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। पीएम मोदी ने

अन्य विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया डीएमके को तमिलनाडु की जनता जवाब देगी- संसद में काले कपड़े पहनकर विरोध करने वाली सत्ताधारी पार्टी- डीएमके को अंजाम भुगतने की चेतावनी देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राज्य की जनता द्रमुक को सबक सिखाएगी। उन्होंने रैली में मौजूद जनता से कहा, जब डीएमके नेता आपसे वोट मांगे आए तो उनसे सवाल करें कि महिलाओं को लाभ दिलाने के मकसद से लाए गए इस संविधान संशोधन विधेयक का विरोध क्यों किया गया

'भाजपा का पतन शुरू', महिला आरक्षण विधेयक खारिज होने पर सीएम ममता का केंद्र सरकार पर हमला

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महिला आरक्षण विधेयक खारिज होने पर केंद्र सरकार पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का पतन शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण करने वाले संविधान संशोधन विधेयक को पारित लागू में विफल रही है। जिससे भाजपा का पतन शुरू हो गया है। भाजपा को हरा दिया



पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। वे दूसरों के समर्थन से सत्ता में बैठे हैं। केंद्र सरकार को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 2029 से 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने के लिए लाया गया संविधान संशोधन विधेयक शुरुवार को संसद में खारिज हो गया।

हमने उन्हें हरा दिया: तमिलनाडु में महिला आरक्षण बिल पर बोले राहुल- चुपके से परिसीमन बदलना चाहती थी सरकार

राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोनेरी में रैली के दौरान केंद्र सरकार पर परिसीमन के जरिए दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व घटाने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर लाए गए बिल का असली उद्देश्य राजनीतिक ताकत कमजोर करना था, जिसे विपक्ष ने संसद में हरा दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोनेरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए परिसीमन से जुड़े हालिया संसदीय घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि यह कदम तमिलनाडु समेत दक्षिणी राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व को कम करने की एक छिपी हुई रणनीति का हिस्सा



है। तिरुवल्लूर जिले में आयोजित रैली में राहुल गांधी ने कहा कि संसद में लाया गया हालिया विधेयक भले ही महिला आरक्षण के नाम पर प्रस्तुत किया गया हो, लेकिन इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य परिसीमन के जरिए दक्षिणी और छोटे राज्यों की राजनीतिक ताकत को कमजोर करना था। उन्होंने कहा कि हमने इसे संसद में हराया। भाजपा कर रही तमिल

पहचान पर हमला राहुल गांधी ने अपने भाषण में आरएसएस और भाजपा पर तमिलनाडु की भाषा, संस्कृति और पहचान को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु में पैदा नहीं हुआ, लेकिन यहां के लोगों से मेरा गहरा रिश्ता है। तमिल भाषा और संस्कृति पर हमला करना अस्वीकार्य है। उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत राज्यों का संघ है, जहां हर राज्य को बराबर महत्व और अपनी भाषा-संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार होना चाहिए। प्रधानमंत्री के एक राष्ट्र, एक नेता, एक भाषा जैसे विचारों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संविधान की मूल

भावना के खिलाफ है। INDI गठबंधन का संदेश- आगामी चुनावों को लेकर राहुल गांधी ने दृढ़दृष्ट गठबंधन की ओर से केंद्र के केंद्रीकरण के प्रयासों का विरोध करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से तमिलनाडु को नियंत्रित करने की कोशिश नहीं होने देंगे। राज्य अपने भविष्य का फैसला खुद करेगा। चुनावी परिदृश्य- तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को एक चरण में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। इस बार मुकाबला मुख्य रूप से डीएमके-नेतृत्व वाले गठबंधन और एनडीए के बीच माना जा रहा है। वहीं, अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी भी चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर लखनऊ में सियासत तेज हो गई। अपर्णा यादव ने विधानसभा के सामने सपा और कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध जताया। अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार मिलना जरूरी है। संसद में महिला आरक्षण बिल पारित न हो पाने को लेकर सियासत तेज हो गई है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुरुवार देर रात विधानभवन के सामने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का झंडा जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित इस बिल के पास न होने से महिलाओं को उनका अधिकार नहीं मिल पा रहा है। अपर्णा ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी के कारण महिला आरक्षण बिल अटका हुआ है। उधर, राज्य महिला आयोग की सदस्यों ने



समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर भी प्रदर्शन किया। महिला आयोग की ओर से इस मामले में शनिवार को बड़ा प्रदर्शन करने की बात भी कही गई है। अखिलेश बोले- प्रदर्शन के लिए कम से कम 12 महिलाओं को तो भेजती भाजपा - सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा मुख्यालय पर प्रदर्शन को लेकर कहा कि भाजपा वाले लगभग 12 करोड़ महिलाओं वाले उत्तर

महिलाओं का मसीहा बनना आसान नहीं : प्रियंका गांधी बोलीं- लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की रची जा रही थी साजिश

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के पास न होने को लोकतंत्र और संविधान की जीत बताया। उन्होंने सरकार पर संघीय ढांचे को कमजोर करने और महिलाओं के मुद्दे का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। प्रियंका ने 2023 के सर्वसम्मति से पारित महिला आरक्षण बिल को तुरंत दोबारा लाकर लागू करने की मांग की। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित न होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ, वह लोकतंत्र और संविधान की बड़ी जीत है। सरकार लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रही थी प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार संघीय ढांचे को कमजोर करने और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रही थी, जिसे विपक्ष ने मिलकर विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संविधान और देश की जीत है, बल्कि विपक्ष की एकजुटता की भी जीत है, जो सत्ताधारी दल के नेताओं के चेहरों पर साफ दिखाई दे रही थी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार किसी भी तरह सत्ता में बने रहने की रणनीति बना रही है और इसके लिए महिलाओं के मुद्दे का इस्तेमाल



सबसे ज्यादा बोझ महिलाओं पर पड़ रहा है। उनके मुताबिक, सरकार इन मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए राजनीतिक गतिविधियों और प्रचार का सहारा ले रही है। महिलाएं मुर्ख नहीं हैं- प्रियंका- अपने बयान में प्रियंका गांधी ने मौजूदा हालात को केंद्र सरकार के लिए काला दिन बताया और कहा कि यह पहला मौका है जब सरकार को ऐसा राजनीतिक झटका लगा है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि आज महिलाओं की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। संघर्ष भी बढ़ रहा है। महिलाएं मुर्ख नहीं हैं। वे सब कुछ देखती हैं। अब जनसंपर्क और मीडिया का शोर-शराबा काम नहीं करेगा। अगर आप कुछ ठोस करना चाहते हैं, तो 2023 में सभी दलों के समर्थन से सर्वसम्मति से पारित विधेयक को वापस लाएं। अगर इसे अभी लागू करने के लिए इसमें कुछ छोटे-मोटे संशोधन करने की जरूरत है, तो करें और अभी लागू करें। महिलाओं को उनके अधिकार अभी दें। लेकिन इसे घुमा-फिराकर और दूसरी चीजों से जोड़कर उन्हें गुमराह करने की कोशिश न करें। इसे अभी करें। हम सब तैयार हैं।

संपादकीय Editorial

Just a
Spark Away

Every fire in Himachal Pradesh leaves many questions unanswered, and Kasauli's name is also included in this series. Not only eight heritage shops burned before our eyes, but also a century and a half of history was buried, as the boundaries of our imagination were shattered. There are countless ancient cities, towns, buildings, and temples just a spark away. The Kasauli fire has raised numerous questions about the state's fire services, development contexts, the challenges of heritage buildings, tourist destinations, and urban development plans. When was the increasing pressure of tourism in a hill town like Kasauli evaluated, or when did the fire department recommend what safety measures should be taken to avoid the flames? This fire is no ordinary one, for within it, history, heritage, and mythology are charred. The condition of the shops that were the bulwark of the tourist season is so severe that the roads were too narrow for fire engines to reach the flames. I'm reminded that the department conducts mock drills year-round to ensure no untoward incident occurs, but Kasauli still faces numerous fire hazards. Almost every tourist, religious site, and infrastructure, from towns to cities, lacks fire protection, or even rain protection. Last year, when a drain overflowed in the populated area of ??Mandi, the town became a spectacle of its own planning. The capital, Shimla, has a history steeped in fires, while another is plagued by poor drainage during the monsoon season. While firefighting equipment in many industrial towns like BBN, Tahlial, and Kala Amb needs improved firefighting, tourist and religious towns need special traveler safety plans. We don't remember the primary plans of our representatives and why such issues are relegated to the House of Representatives. Furthermore, the indifference towards Himachal's heritage buildings is such that every year we reduce such symbols to ruins. For example, have we been able to guarantee security in the development plan for Chamba, a city with a thousand years of history and heritage? Have we been able to optimize the various entry points before reaching the Nurpur Fort? If crowds swell in Sujampur and Purana Kangra, the situation will be severely affected. The management of Naina Devi should not be limited to two or three fairs; it should be based on crowd control and protection from water, life, and fire in the specific geographical conditions. Just as homestays now offer views of the sky from village windows, or tourism is reaching villages rich in natural beauty, all aspects of security must be strengthened. This must also be ensured through standards for electricity and cooking gas supply. The various trade boards and hotel associations of the state must also step forward and assume their share of responsibility. Encroachment in the markets and the increasing number of displays often constrict them. Markets that once allowed vehicles to pass through easily are now suffocating. Dalhousie's Tibetan market exemplifies this, where customers are expected to do excellent business under the shadow of fear. Urban development plans will require the development of not only suitable shopping spaces and parking facilities, but also disaster prevention infrastructure. The Kasauli fire exposes numerous gaps in our progress. Therefore, under the new guise of development, there is a pressing need to ensure fire, water, and electricity safety for residential, commercial, government complexes, and tourist destinations.

The Kerala Story of the Corporate World

Earlier, it was believed that only a few mullahs and clerics were obsessed with converting people of other religions, especially Hindus, to Islam through deceit, coercion, and greed. But now, even educated Muslim youth seem to be suffering from this same mentality. Hindu women at TCS Nashik have been accused of sexual exploitation and conversion. Comparisons have been made to the 1992 Ajmer incident and 'love jihad'. Questions have been raised about HR involvement and a lack of corporate accountability. The Ajmer incident, which occurred in 1992 and whose revelation shook the nation, is a surefire example. Nearly a hundred female students in Ajmer were blackmailed and sexually exploited over a long period of time. After a student was raped, her intimate photos were taken to trap her other friends, and a despicable cycle ensued. Several female students committed suicide after this incident came to light. The men who blackmailed and sexually exploited the female students were the Khadim of Ajmer's Khwaja Gareeb Nawaz and his associates, and the victims of their brutality were Hindu students. Later, more incidents like the Ajmer incident surfaced in several cities. One occurred last year in Vijaynagar, also in Ajmer, where Hindu girls were sexually exploited and forcibly converted. Another incident occurred in Bhopal. Several Hindu female students at a college there were lured into a love affair by Muslim boys using Hindu names, blackmailed, and then forced to convert to Islam. It's difficult to count the number of incidents like the Ajmer incident in the country, but understand that, like the London grooming gang, grooming gangs of young men with jihadist mindsets are active in many places in India. They lure girls of other religions into love affairs, sexually exploit them, and then force them to convert to Islam. Many Islamic Dawah centers are essentially grooming gangs. They are so obsessed with bringing everyone under the Islamic banner that a few years ago, a Da'wah center was brainwashing and converting deaf and mute students in Noida. Similarly, in Balrampur, Uttar Pradesh, a fakir named Changur Baba was engaged in the conversion of Hindus through deceit and force. A glimpse of how Islamic Da'wah centers, obsessed with preaching religion, operate like grooming gangs was shown in the film "The Kerala Story." This film depicted how Hindu girls are brainwashed, how they fabricate the Vedas and Puranas, malign gods and goddesses, and convince them that Islam is the only true religion, and all others are false. The fake liberal-secularists did not like this film even after numerous cases surfaced in Kerala that revealed how Muslim youth brainwashed Hindu and Christian girls into Islam and then attempted to take them to Afghanistan and Syria for jihad. It would have been easy to dismiss The Kerala Story as a propaganda film, but what happened at the TCS Nashik office is difficult for anyone to deny, as it is a living, living account of The Kerala Story. Some Muslim employees at the TCS Nashik office formed a gang and were attempting to sexually exploit and convert Hindu women employees from weak economic backgrounds or facing family problems by luring them with promotions, attractive salary increases, or feigning love. This gang was exposed when a Hindu girl started fasting. Now it is emerging that several Hindu girls were forced to adopt Islamic customs, eat meat, and convert to Islam. They were also sexually exploited—some forcibly, others through love jihad. Because a Muslim woman in the HR department was also involved in this gang, the victims' complaints were ignored and they were instead threatened with job loss. Why was there no system for redressal of grievances within the HR department in a company like TCS? Was the Prevention of Sexual Harassment Committee merely a formal entity? TCS, a Tata Group company, is also the country's largest IT company. If systematic sexual harassment was taking place in such a renowned company, and no one heard it, what would be the fate of other smaller companies where employees and officers occupy influential positions obsessed with the idea of ??converting people of other religions, especially Hindus, to Islam by any means necessary or carrying out a Ghazwa-e-Hind? Previously, it was believed that only a few mullahs and clerics were obsessed with converting people of other religions, especially Hindus, to Islam through deceit, force, and greed. But now, even educated Muslim youth seem to be affected by this mindset. The result of this mindset is love jihad. This term was coined by the Kerala High Court, following numerous cases where Muslim boys lured Hindu and Christian girls into Islam by falsely inducing them into love affairs. They even instilled hatred in these girls towards their own relatives, but there's no shortage of people in the country who consider love jihad a figment of a few people's imagination. It's nothing more than a life-sucking, irrational obsession.

The Census is a solution to many problems.

It is true that the delay in the census has not suddenly removed the vacuum that had created a foundation for policymaking, but it will certainly succeed in showing the country the mirror it needs to move forward. The digital census has begun, crucial for a welfare state. 33 questions from 1.4 billion Indians, the world's largest exercise. The caste census will provide accurate data for delimitation. The census is considered crucial to the functioning of a welfare state. Centuries ago, in his work, Arthashastra, Kautilya also noted that if a state wants to provide better governance, it must have a thorough knowledge of its people. Kautilya believed that a state that does not count its people governs in darkness. The darkness that had arisen in the path of the ongoing census in India due to COVID and certain other reasons has finally been cleared, and the census has formally begun in the country since the beginning of this month. Since India is the world's most populous country, the census process will be equally extensive. Over 3 million enumerators, supervisors, and officials will spend months asking 33 questions to 1.4 billion Indians. This is set to be the world's largest administrative exercise, spanning over seven thousand cities and six hundred thousand villages.

A key feature of this census is that it will be conducted entirely digitally. All Indian citizens can self-enumerate through a portal available in 16 languages. Its mascot is named Progress and Development. Its symbolic meaning and associated aspirations are clear. The tradition of census in India has its roots before independence. The first modern attempt was conducted during British rule between 1865 and 1872. However, such an exercise was not conducted simultaneously and there was a lack of coordination among all provinces. It was only in 1881 that a simultaneous census was conducted in undivided India. The first census after independence was conducted in 1951, and this practice has continued uninterrupted since then, with a few exceptions. Over time, the format of census questions also changed. The 1872 schedule contained only 17 questions, covering nothing more than "who lives where." The 1901 census asked about English proficiency, a key priority during the colonial era.

However, by 2011, the census began to include detailed data on migration history, fertility trends, work habits, and disability. It is fair to say that the census reflects emerging challenges facing the state. The 2021 census was not conducted in the country. A major reason for this was the COVID pandemic, which abruptly shifted priorities and made such a massive administrative process unfeasible. Nevertheless, some questions remain:

by 2022, the situation had largely normalized due to COVID-19, and there was scope to complete the census process between 2023 and 2024, but the required efforts were not made on that front. The formal notification for the census that has just begun came in June 2025, and the process began 15 months later. It could be said that late is better than never, but the delay is difficult to justify. During the last decade and a half, governance in India has been based on the 2011 census, despite the fact that the landscape has changed drastically during this period. 15 years is no small period. During this period, millions of Indians migrated from their native places, changed occupations, and left villages for urban areas. Policy planning not only lacks clarity regarding the classification of rural and urban areas, but also remains based on the 2011 census data. This outdated scenario is not appropriate for welfare schemes and public expenditure. Its practical implications are not merely speculative or theoretical. Researchers and policymakers rely on the census as their basis for assessing everything from consumption expenditure to labor force participation and social conditions. When such a list is even 15 years old, the picture emerging from it will not be realistic. Thus, small discrepancies accumulate and create a dire situation. Much more than demographics is at stake in the 2027 Census. One such aspect is the delimitation of parliamentary and assembly constituencies, where the new census data will prove crucial. India's political map is still based on an outdated scenario, which does not adequately reflect the aspirations of a changing country. The new census will provide an opportunity for improvement. It will also include a caste census for the first time since 1931. This issue is highly controversial. Those in favor of it argue that without a caste census, welfare schemes cannot be properly formulated. While its opponents argue that it could deepen the lines of division that the Constitution sought to blur and eliminate. Both arguments have some merit. One reason for the delay in the census could be the dilemma surrounding the caste census and whether to proceed with it. In this context, it must be remembered that theIf society doesn't measure its problems, it can't solve them. It's true that the delay in the census hasn't suddenly removed the vacuum created by the foundation for policymaking, but it will certainly succeed in showing the country the mirror it needs to navigate the path forward.

भाजपा के भीतरी घमासान के बीच चढ़ा सियासी तापमान, इन दो नेताओं के बीच टिकट की रस्साकशी; BJP के अलग-अलग गुट

मिश्रित आबादी के होते हुए भी शांत रहने वाले मुरादाबाद के नारायणपुर छंगा गांव में बृहस्पतिवार रात का पथराव और उससे गहराया तनाव जहां जिलेभर में चर्चा में है, वहीं इससे ठाकुरद्वारा क्षेत्र का सियासी पारा एकाएक ऊपर चढ़ गया है। अलग-अलग भाजपाई गुट इसी मामले को लेकर अपनी लकीर लंबी करने से ज्यादा दूसरे की लाइन छोटी करने में लगे हैं। मिश्रित आबादी के होते हुए भी शांत रहने वाले मुरादाबाद के नारायणपुर छंगा गांव में बृहस्पतिवार रात का पथराव और उससे गहराया तनाव जहां जिलेभर में चर्चा में है, वहीं इससे ठाकुरद्वारा क्षेत्र का सियासी पारा एकाएक ऊपर चढ़ गया है।



शुक्रवार को भाजपा समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेता इलाके में सक्रिय रहे तो सभी का केंद्र संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर का नाम लेकर आरक्षित वर्ग के मतदाताओं को रिज्ञाना है। अरसे से भाजपा के प्रभाव वाली सीट रही ठाकुरद्वारा से भाजपा के टिकट के लिए भाजपाइयों के बीच अभी से खासी रस्साकशी है। सियासी जानकारों का तो यह भी मानना है कि बृहस्पतिवार रात नारायणपुर छंगा में जो हुआ, उसके पीछे भी कहीं न कहीं भाजपाइयों की अंदरूनी खींचतान है। घटनाक्रम हो जाने के बाद अलग-अलग भाजपाई गुट इसी मामले को लेकर अपनी लकीर लंबी करने से ज्यादा दूसरे की लाइन छोटी करने में लगे हैं।

दरअसल पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह के सांसद बनने से पहले ठाकुरद्वारा सीट लंबे समय तक उनके प्रभाव का बड़ा उदाहरण बनती रही है। भाजपा नेतृत्व भी हर विधानसभा चुनाव से पहले इस सीट को लेकर जीत के प्रति पूरी तरह आश्वस्त रहता था। कुंवर सर्वेश सिंह के सांसद बनने के बाद भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान ठाकुरद्वारा से टिकट के दावेदार के रूप में आगे आए। उप चुनाव के लिए भाजपा ने टिकट दिया लेकिन वह सफल नहीं हुए थे। 2017 में फिर भाजपा ने विधानसभा चुनाव का टिकट दिया था।

साल 2022 में विधानसभा चुनाव आते ही सर्वेश सिंह ने ठाकुरद्वारा से अपनी पत्नी साधना सिंह और बिजनौर की बड़ापुर सीट से बेटे के टिकट का दावा रखा। दूसरी ओर राजपाल सिंह के बेटे अमित चौहान को भी

टिकट के दावेदार के रूप में आगे किया गया। उनके सिंगापूर में बैंक के बड़े पद की नौकरी छोड़कर सियासी अखाड़े में उतरने की बात खूब प्रचार में रही थी। हालात देख भाजपा ने इन दोनों को साधने के लिए नए चेहरे के रूप में नारायणपुर छंगा गांव के रहने वाले अजय प्रताप सिंह को उम्मीदवार बना दिया। नतीजों में अजय को विजय नहीं मिल सकी लेकिन अब वह आगामी चुनाव के टिकट की दावेदारी के साथ सक्रिय हैं। इस सीट पर एक पूर्व ब्लॉक प्रमुख सहित दो और दावेदार हैं।

क्षेत्र के लोगों ने बताया कि 14 अप्रैल को बाबा साहब के जन्मोत्सव के मौके पर राजपाल सिंह और उनके बेटे अमित चौहान ने नारायणपुर छंगा गांव पहुंचकर आंबेडकर प्रतिमा और पार्क की सफाई की। आंबेडकर जन्मोत्सव भी इसी गांव में मनाया। इसका वीडियो काफी वायरल हुआ। इसकी प्रतिक्रिया अजय प्रताप समर्थकों में दूसरे रूप में हुई। अजय के गांव में पिता-पुत्र की सियासी सृष्टि वाली सक्रियता को समर्थकों ने अजय की जमीन पर संधमारी के रूप में देखा। नतीजे में दोनों के समर्थकों में खींचतान शुरू हो गई। पथराव और मूर्ति क्षतिग्रस्त होने की घटना सामने आई- कुछ लोगों ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात अजय प्रताप का जन्मदिन मनाने के दौरान के विवाद की बुनियाद में दोनों के समर्थकों के बीच की वही खींचतान थी। मसला बढ़ने से पथराव और मूर्ति क्षतिग्रस्त होने की घटना सामने आ गई। ठाकुरद्वारा थाने में शुक्रवार को दर्ज कराई रिपोर्ट में भी इसका जिक्र किया गया है।

एक हजार की आबादी के इस गांव में 500 मतदाता- अब हर भाजपाई गुट इस मामले की भरपाई की कोशिश में है। बता दें कि एक हजार की आबादी के इस गांव में 500 मतदाता हैं। इनमें 200 मतदाता अनुसूचित जाति, 150 कश्यप समाज और बाकी ठाकुर समाज से हैं। कभी विवाद नहीं होने और जातीयता से ऊपर उठकर सबका मिलकर रहना गांव की खूबी मानी जाती थी। बृहस्पतिवार की रात के विवाद के बाद से गांव में दो पक्षों के बीच लंबी लकीर खिंचने की आशंका भाजपा नेतृत्व को बेचैन किए है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भी मामले का लिया संज्ञान- ठाकुरद्वारा के गांव में विवाद के बीच डॉ. आंबेडकर की मूर्ति क्षतिग्रस्त होने का मसला भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक भी पहुंच गया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने फोन पर भाजपा नेताओं से बात कर पूरी रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि भाजपा की बाबा साहब भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रति गहरी आस्था है। इसी वजह से पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर जयंती भी मना रही है। इस मामले में जिला प्रशासन कानून के मुताबिक कार्रवाई करेगा। पुलिस को निष्पक्ष कार्रवाई के लिए कहा गया है। गांव पहुंचे कई दलों के नेता, कार्रवाई की मांग उठी - नारायणपुर छंगा गांव में शुक्रवार को एक तरफ पुलिस टीम सक्रिय रही तो दूसरी ओर राजनीतिक दलों के नेता। एसपी ग्रामीण, एडीएम प्रशासन, एसडीएम और सीओ पूरे दिन गांव में कैंप करते रहे। इस बीच बसपा के जिला सचिव डॉ रामपाल सिंह गौतम, पूर्व

सांसद गिरीश चंद्र, आजाद समाज पार्टी के प्रदेश सचिव राजकुमार यादव एडवोकेट, सपा जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव, भाजपा नेता राजपाल सिंह चौहान, अमित चौहान, भीम आर्मी के कार्यकर्ता सहित काफी संख्या में लोग गांव में पहुंचे। नेताओं ने घायलों से मिलकर उनका हाल जाना और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। शुक्रवार शाम आजाद समाज पार्टी और बसपा के नेता एसपी से मिले और एफआईआर की मांग की। दोनों पक्षों में लंबी बात के बाद कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर ली गई। ठाकुरद्वारा बवाल में भाजपा नेता समेत 162 पर रिपोर्ट, 12 नामजद

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा थाना इलाके के नारायणपुर छंगा में आंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने और विरोध करने पर अनुसूचित जाति के लोगों के घरों पर पथराव की घटना के बाद शुक्रवार को दिन भर गांव में पुलिस तैनात रही। राजनीतिक दल और कई संगठनों के लोग गांव में पहुंचे। पुलिस की ओर से रिपोर्ट लिखने में देर की गई तो लोगों ने गांव के बाहर सड़क पर जाम लगने की कोशिश की। शुक्रवार की शाम ठाकुरद्वारा कोतवाली का घेराव करने की चेतावनी दी तो पुलिस ने भाजपा नेता अजय प्रताप सिंह और उनके भाई समेत 12 नामजद और 150 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। ठाकुरद्वारा के नारायणपुर छंगा गांव निवासी अजय प्रताप सिंह 2022 में ठाकुरद्वारा विधान सभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे। इस चुनाव में उनकी हार हुई थी। बृहस्पतिवार को गांव में भाजपा नेता ने अपना जन्मदिन मनाया था। जन्मदिन में शामिल होने के लिए

आसपास के गांवों के लोग पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक जन्मदिन में शामिल होने आए लोगों ने अपनी गाड़ियां आंबेडकर प्रतिमा के पास खड़ी कर दी थीं। इस पर लोगों ने एतराज जताते हुए गाड़ी वहां से हटाने को कहा। बस इसी पर विवाद शुरू हो गया। पहले कहासुनी हुई और फिर पथराव होने लगा। इस दौरान प्रतिमा भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद गांव में बवाल हो गया। सूचना पर एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए थे। देर रात पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत करा दिया था लेकिन शुक्रवार की सुबह से ही राजनीतिक पार्टी और संगठनों के लोग गांव में आना शुरू हो गए।

दिन भर गांव में हंगामा होता रहा। शुक्रवार की शाम रिपोर्ट दर्ज होने के बाद ही लोग शांत हुए। नारायणपुर छंगा गांव निवासी मलखान सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें उन्होंने बताया कि गांव में पार्क में डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमा लगी है। 14 अप्रैल को उन्होंने भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान और अमित चौहान को आंबेडकर जयंती के कार्यक्रम में बुलाया था। कार्यक्रम को लेकर गांव के अजय प्रताप सिंह, उनके भाई अजय प्रताप सिंह समेत अन्य लोग उनसे रंजित रखने लगे थे। आरोप है कि दोनों भाइयों ने धमकी दी थी। 16 अप्रैल की रात करीब 10:00 बजे आरोपियों ने आंबेडकर पार्क की बिजली लाइन को साजिश से बंद कर दिया और आंबेडकर की प्रतिमा पर पथराव कर क्षतिग्रस्त कर दिया। फायरिंग

करने का भी आरोप है। विरोध करने पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया और घर में घुसकर तोड़फोड़ और महिलाओं के साथ मारपीट की। इस हमले में प्रकाश वीर, राम सिंह, मानसी, रूबी, मलखान सिंह, ग्रंथ कुमार, घनश्याम, कुसुम, राहुल, पवनेश वीर घायल हो गए थे। इनमें गंभीर घायल पवनेश और राम सिंह को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। गांव में पूरी तरह से शांति है। इसी तरह का तनाव नहीं है। क्षतिग्रस्त प्रतिमा की मरम्मत करा दी गई है। एहतियातन गांव में पुलिस तैनात है।

पुलिस ने दूसरे पक्ष के इन लोगों का भी कराया है मेडिकल-ठाकुरद्वारा। बृहस्पतिवार की रात घटना के बाद पुलिस ने दूसरे पक्ष के घायल रमनावाला निवासी मंगेश सिंह, सुरजनगर निवासी अमित कुमार, पीपली घनश्याम निवासी शैलेंद्र कुमार और नारायणपुर चंगा निवासी परवेश का भी मेडिकल कराया था। इस पक्ष की ओर से अभी पुलिस को तहरीर नहीं मिली है। इनके खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट- भाजपा नेता अजय प्रताप सिंह, इनके भाई अजय प्रताप सिंह और गांव निवासी तेज प्रकाश, निपेंद्र, हिमांशु, तुषार, सूर्य प्रताप, नरेंद्र, राजीव, महेश, हर्षित, कौशल और 150 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। इन धाराओं में दर्ज दर्ज की गई है रिपोर्ट -ठाकुरद्वारा थाने में बीएनएस की धारा 191(2), 191(3), 190, 333, 74, 115 (2) 118 (1), 352, 351(2), 351(3), 324 (4), 196 और एससी एसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

संक्षिप्त समाचार मुरादाबाद मंडल में मरीज ढेर रहीं फर्जी नंबर की एंबुलेंस, सिस्टम है कि कुछ देखता ही नहीं

मुरादाबाद जिले में करीब 50 निजी एंबुलेंस बिना फिटनेस के सड़कों पर दौड़ रही हैं। जिम्मेदार अधिकारी इन पर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं। सख्त आदेशों के बावजूद जिला अस्पताल परिसर में



रोजाना कई निजी एंबुलेंस खड़ी मिलती हैं। दरवाजा खुलता नहीं, एसी चलता नहीं है। ऑक्सिजन कब खत्म हो जाए, कुछ पता नहीं... इसी तरह के बीमार वाहनों पर एंबुलेंस लिखकर मरीजों को अस्पताल लाया जा रहा है। बृहस्पतिवार को रामपुर से मुरादाबाद लाते वक निजी एंबुलेंस में ऑक्सिजन खत्म होने से मरीज की जान जाने की घटना ने सबको झकझोर दिया है लेकिन, ऐसी घटना दोबारा न हो इसके लिए अब तक कोई सख्ती नहीं दिखाई गई। मुरादाबाद जिले में 50 ऐसी एंबुलेंस दौड़ रही हैं, जिनकी फिटनेस महीनों पहले खत्म हो चुकी है। कई तो ऐसी हैं, जिनकी नंबर प्लेट तक फर्जी है। परिवहन विभाग ने इन वाहनों के मालिकों को नोटिस जारी कर अपना पल्ल झण्ड लिया तो स्वास्थ्य विभाग ने संसाधनों की पड़ताल तक नहीं की स्थिति यह है कि स्वास्थ्य मंत्री और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के सख्त आदेश हैं कि कोई निजी एंबुलेंस जिला अस्पताल में खड़ी नहीं होगी। इसके बावजूद मुरादाबाद के सरकारी अस्पताल के परिसर में ये रोजाना दिख जाती हैं। वो भी एक दो नहीं, आठ तक। शहर के अंदर से लेकर बाहर के अस्पतालों तक इनकी सीधी सेटिंग है। रजिस्ट्रेशन तक फर्जी- शुक्रवार को टीम ने जिला अस्पताल परिसर में खड़ी एक एंबुलेंस के नंबर को परिवहन विभाग के अधिकृत मोबाइल एप पर डाला तो जवाब मिला कि इस नंबर की कोई एंबुलेंस पंजीकृत नहीं है। दूसरी एंबुलेंस का नंबर डाला तो पता चला कि इसकी फिटनेस दो माह पहले खत्म हो चुकी है। एंबुलेंसों पर चालकों के मोबाइल नंबर लिखे हैं। मरीजों के तीमारदारों से पहले फोन पर बात होती है, इसके बाद मिलकर सौदा तय होता है। स्वास्थ्य विभाग को नहीं पता, जिले में कितनी एंबुलेंस के पास प्रमाणपत्र-सरकार के नियमों के मुताबिक परिवहन विभाग में पंजीकृत के अलावा निजी एंबुलेंस संचालकों को स्वास्थ्य विभाग से भी प्रमाणपत्र लेना पड़ता है। विभाग एंबुलेंसों को ए, बी और सी तीन श्रेणियों में बांटता है। संसाधनों और सुविधाओं के लिहाज से इनकी श्रेणी विभाजित की जाती है और चेकिंग के बाद प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। विडंबना है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को नहीं पता कि जिले में कितनी निजी एंबुलेंसों के पास प्रमाणपत्र है। किस कैटेगरी में क्या सुविधा- ए कैटेगरी एंबुलेंस में वेंटिलेटर, ऑक्सिजन सपोर्ट, सक्शन मशीन, लाइव मॉनिटरिंग स्क्रीन के अलावा लाइफ सेविंग ड्रग्स और एक प्रशिक्षित मेडिकल टीम होती है। बी कैटेगरी में ऑक्सिजन सपोर्ट, कुछ जरूरी दवाइयां, एक स्टाफ नर्स और ईएमटी रहते हैं। जबकि सी कैटेगरी में चालक के साथ ईएमटी रहते हैं और ऑक्सिजन सपोर्ट की व्यवस्था होती है।- सरकारी अस्पताल में खड़ी करते हैं एंबुलेंस, पैरवी निजी अस्पतालों की

केस-1- अमर उजाला की टीम ने जिला अस्पताल में खड़ी निजी एंबुलेंस के चालक से जिला अस्पताल के हड्डी वार्ड में भर्ती मरीज को प्राइवेट अस्पताल ले जाने के लिए पूछा। एंबुलेंस चालक ने शहर के कुछ अस्पतालों के नाम बताए। फिर कहा कि शहर के अंदर 1000 और बाहर जाने के 3000 रुपये लगेंगे। केस-2- टीम ने महिला अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती बच्चों को हायर सेंटर ले जाने के लिए निजी एंबुलेंस के चालक से बात की। उसने रामगंगा विहार, बंगला गांव स्थित दो अस्पतालों के नाम बताए। फिर कहा कि ऑक्सिजन और वेंटिलेटर वाली एंबुलेंस चाहिए तो 3500 रुपये लगेंगे। शहर के बाहर ले जाना है तो कम से कम 9000 में बात बनेगी। जिले में 180 से 200 एंबुलेंस पंजीकृत हैं। इनमें से करीब 50 एंबुलेंस संचालकों को हाल ही में नोटिस जारी किए गए थे। स्वास्थ्य सेवाएं संवेदनशील विषय है। यदि कहीं भी एंबुलेंस में खामी पाई गई तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। वाहन सीज कर जुर्माना भी लगाया जाएगा। - राजेश सिंह, आरटीओ मेरे पास सरकारी एंबुलेंस का चार्ज है। निजी एंबुलेंस कितनी प्रमाणित हैं इसकी जानकारी मुझे नहीं है। इनके प्रमाणन का कार्य मेरे पास नहीं है। दो साल पहले मैंने दो-तीन एंबुलेंस का सत्यापन किया था। - डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डिप्टी सीएमओ

शादी से डेढ़ माह पहले संबंध बना रहे थे युवक और युवती, अचानक घर आ गया छोटा भाई; तनाव के बीच लिया ये फैसला

अमरोहा में एक मंगेतर जोड़ा आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया है। शादी डेढ़ माह बाद थी। दोनों परिवारों के बीच तनाव हो गया। इस पर पंचायत ने फैसला लेते हुए दोनों का निकाह करा दिया गया। शादी की बाकी रस्में तय तारीख पर होंगी। अमरोहा शहर के एक मोहल्ले में शादी से पहले मंगेतर जोड़े के आपत्तिजनक हालत में पकड़े जाने का मामला चर्चा का विषय बना गया। घटनाक्रम के बाद दोनों परिवारों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जिसे देर रात पंचायत बैठकर सुलझाया गया और मौके पर ही काजी बुलाकर निकाह करा दिया गया। मोहल्ले के एक कारोबारी ने करीब तीन साल पहले अपनी बेटी का रिश्ता शहर निवासी युवक से तय किया था। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। करीब छह माह पहले मंगनी की रस्म पूरी हुई थी और शादी की तारीख बकरीद के बाद 10 और 11 जून तय की गई थी। दोनों परिवारों की ओर से शादी की तैयारियां भी शुरू हो चुकी थीं और बैंकट हॉल तक बुक कर लिए गए थे। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले लड़की के परिजन एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे, जबकि लड़की घर पर अकेली थी।

युवती ने मंगेतर को घर बुलाया- इसी दौरान उसने अपने मंगेतर को घर बुला लिया। करीब 15-20 मिनट बाद लड़की का छोटा भाई अचानक घर लौट आया और दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इसके बाद शोर मच गया और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही दोनों पक्षों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मामला बढ़ने पर रात में ही मोहल्ले में पंचायत बुलाई गई। शुरुआत में विवाद इतना बढ़ गया कि रिश्ता तोड़ने और पुलिस में शिकायत करने तक की बात सामने आई लेकिन रिश्तेदारों और सामाजिक लोगों के हस्तक्षेप से मामला शांत कराया गया। शादी की बाकी रस्में तय तारीख पर ही होंगी- आखिरकार पंचायत के निर्णय पर मौके पर ही काजी को बुलाकर दोनों का निकाह करा दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से शादी की बाकी रस्में तय तारीख पर ही संपन्न कराने का फैसला लिया है। इस पूरे मामले में किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0ए0प्रिंटर्स, ए-11, असाहतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

निःशुल्क सोमनाथ दर्शन हेतु तीर्थ यात्री रवाना, एडीएम सौरभ दुबे ने दिखाई हरी झंडी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की पहल पर आयोजित निःशुल्क सोमनाथ तीर्थ यात्रा के अंतर्गत बरेली से चयनित श्रद्धालुओं का जल्था शनिवार को रवाना हुआ। अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ दुबे ने हरी झंडी दिखाकर तीर्थ यात्रियों की बस को लखनऊ के लिए रवाना किया। उप निदेशक पर्यटन बरेली रविंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल धार्मिक पर्यटन एवं सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। संस्कृति मंत्रालय और भारतीय रेलवे के समन्वय से संचालित यह यात्रा पूरी तरह निःशुल्क है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर श्रद्धालुओं को भी तीर्थ दर्शन का अवसर मिल सके। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश से कुल 750 श्रद्धालुओं को इस यात्रा के लिए चयनित किया गया है। सभी श्रद्धालु 18 अप्रैल को लखनऊ पहुंचेंगे, जहां उनके ठहरने और भोजन की व्यवस्था संस्कृति विभाग द्वारा की जाएगी। इसके बाद 19 अप्रैल को लखनऊ से वातानुकूलित (एसी थर्ड) ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालु गुजरात



स्थित सोमनाथ मंदिर के लिए रवाना होंगे। इस विशेष ट्रेन को रवाना करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया गया है। यात्रा के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले से 10-10 श्रद्धालुओं का चयन किया गया है। चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा की गई, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों—जैसे स्ट्रीट वेंडर, महिलाएं, छात्र, वरिष्ठ नागरिक, सरकारी योजनाओं के लाभार्थी, कलाकार, सफाई कर्मी और आध्यात्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों—को शामिल किया गया।

शीशगढ़ पुलिस मुठभेड़ में गौकशी के दो आरोपी घायल, तीसरा साथी जंगल के रास्ते हुआ फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना शीशगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन अप्रैल को वादी ओमकार (45 वर्ष) पुत्र मोतीराम निवासी ग्राम बरगवा, थाना शीशगढ़ में सूचना दी थी कि तीन दिन पूर्व किच्छा नदी के पास अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गौवंशीय पशु का वध कर उसके अवशेष फेंक दिए गए हैं। इस सूचना के आधार पर थाना शीशगढ़ में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन कर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में शनिवार को प्रातः पांच बजे थाना शीशगढ़ प्रभारी



जितेंद्र सिंह मय पुलिस बल के साथ गश्त पर पनवड़िया पुल के पास पहुंचे। तभी तीन संदिग्ध व्यक्तियों ने पुलिस टीम पर अचानक फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अब्दुल रहमान (35 वर्ष) निवासी वार्ड नंबर 11 धोराटांडा थाना भोजीपुरा एवं दानिशा कुरैशी निवासी वार्ड नंबर 09 कस्बा धोराटांडा थाना भोजीपुरा गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान अब्दुल रहमान

के कब्जे से एक तमंचा .315 बोर, दो खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस एवं 1260 रुपये नगद बरामद हुए। वहीं दानिशा कुरैशी के पास से एक तमंचा .315 बोर, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, 1550 रुपये नगद एवं गोकशी से संबंधित उपकरण बरामद किए गए। मुठभेड़ के दौरान तीसरा आरोपी आरिफ पुत्र नामालूम निवासी किच्छा घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस द्वारा कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है। घायल दोनों आरोपियों को उपचार के लिए सीएचसी बहेड़ी भेजा गया है। घटनास्थल पर फोरेसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया जारी है। पुलिस मुठभेड़ के संबंध में अलग से अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में कवरेज कर रहे, मीडिया कर्मियों से अभद्र व्यवहार, पत्रकारों ने किया वहिष्कार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित बेटा जन्मोत्सव कार्यक्रम उस समय विवादों में घिर गया, जब कवरेज करने पहुंचे महिला जिला अस्पताल में मीडिया कर्मियों के साथ कथित तौर पर बाउंसर ने अभद्र व्यवहार पर उतर आया। इस घटना के बाद से नाराज पत्रकारों ने एकजुट होकर कार्यक्रम का वहिष्कार कर दिया। आपको बताते चलें कि शनिवार को महिला जिला अस्पताल में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, डॉक्टर और अन्य कर्मचारी भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि कवरेज के दौरान मौजूद पत्रकारों को



एक बाउंसर ने रोक दिया। आरोप है कि उसने कैमरा हटाने के लिए कहा और विरोध करने पर धक्का-मुक्की करने लगा। इस घटना से मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। घटना से आक्रोशित मीडिया कर्मियों ने इसे अपने सम्मान पर हमला बताते हुए कार्यक्रम का वहिष्कार

कर दिया। सभी पत्रकार एकजुट होकर कार्यक्रम स्थल से बाहर निकल आए। पत्रकारों के साथियों का कहना था कि जिस कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था, वहीं मीडिया के साथ ऐसा व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।

जल जीवन मिशन का प्रभाव मूल्यांकन सफल, ग्रामीण जीवन में दिखे सकारात्मक बदलाव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग (एम.एस.डब्ल्यू.) द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'हर घर नल, हर घर जल' का व्यापक प्रभाव मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। यह अध्ययन 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक बरेली में आयोजित किया गया, जिसमें योजना के क्रियान्वयन, जल उपलब्धता तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया। समाज कार्य विभाग के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. विजय बहादुर सिंह यादव के मार्गदर्शन में संपन्न इस अध्ययन का नेतृत्व डॉ. अफसाना, डॉ. निवेदिता त्रिवेदी, डॉ. रफान अली एवं डॉ. विश्वदीप सिंह ने किया। उनके निर्देशन में 35 विद्यार्थियों की टीम ने जिले के 9 विकास खंड—आलमपुर जाफराबाद, मझगावां, मीरगंज,



बहेड़ी, भोजीपुरा, बिथरी चैनपुर, भूटा, नवाबगंज और फरीदपुर-के गांवों में जाकर फील्ड सर्वेक्षण और साक्षात्कार किए। अध्ययन के दौरान जिला स्तरीय जल जीवन मिशन टीम का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। ग्रामीणों से बातचीत और आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि योजना ने ग्रामीण जीवन में महत्वपूर्ण सकारात्मक परिवर्तन किए हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा पर प्रभाव—अध्ययन में पाया गया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आई है, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। इससे

चिकित्सा खर्च में कमी आई और जीवन स्तर बेहतर हुआ है। साथ ही, पानी की समस्या दूर होने से लड़कियों की स्कूल उपस्थिति में वृद्धि हुई है, क्योंकि अब उन्हें दूर से पानी लाने में समय नहीं लगाना पड़ता। महिलाओं को घरेलू कार्यों में राहत मिली है, जिससे वे परिवार और बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने पूरी टीम और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की असली पहचान तब बनती है जब वह समाज की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाता है।

कैंट पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड गैंग का किया पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना कैंट पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड गैंग का पर्दाफाश करते हुए पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग फर्जी ट्रस्ट और बैंक खातों के जरिए देशभर में साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी एपीके फाइल (SMS Listener) के माध्यम से लोगों के बैंक खातों और मोबाइल के एसएमएस पर नियंत्रण कर लेते थे। इसके बाद ठगी की रकम को विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर देते थे। जांच में सामने आया कि गैंग के 22 बैंक खातों के खिलाफ NCRP पोर्टल पर 524 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज



अभियुक्तों ने बताया कि इस गैंग के तार अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी जुड़े हैं। व्हाट्सएप के जरिए विदेशी ऑपरेटर्स से संपर्क किया जाता था, जो नेपाल जैसे देशों में बैठकर नेटवर्क संचालित करते थे। 17 अप्रैल को थाना कैंट पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना

मिली कि एक काली स्कार्पियो में सवार गैंग के सदस्य ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन सहित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के खिलाफ थाना कैंट में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तहसील फरीदपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जनपद बरेली की तहसील फरीदपुर स्थित सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याओं की सुनवाई की गई तथा उनके त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासन की मंशा के अनुरूप आमजन के साथ संवेदनशीलता और सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासनादेश सर्वोपरि है और सभी अधिकारी उसी के अनुसार कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान एक शिकायतकर्ता द्वारा गलत अंश निर्धारण की शिकायत प्रस्तुत की गई। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित राजस्व निरीक्षक से जवाब तलब किया, लेकिन संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उसकी भूमिका संदिग्ध मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन के निर्देश दिए गए।



समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, पूर्ति, विकास, चकबंदी, विद्युत, नगर विकास एवं लोक निर्माण विभाग से जुड़ी कई शिकायतें प्राप्त हुईं। ग्राम सिंघाईकला के एक ग्रामीण ने खेत में गंदा पानी जाने की समस्या उठाई, जिस पर खंड विकास अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं, मोहल्ला बाजार जनुबी के एक आवेदक ने पुश्तैनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की, जिस पर उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को स्थलीय निरीक्षण कर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ग्राम टिसुआ में चकरोड पर अवैध

कब्जे और नवदिया अशोक में जबरन टेली खड़ी करने के मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, पुलिस अधीक्षक देहात मुकेश चंद्र मिश्र, पुलिस अधीक्षक क्राइम मनीष सोनकर, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, परियोजना निदेशक डूडा चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी मल्लिका नैन, तहसीलदार फरीदपुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

प्रेम प्रसंग में युवती की आत्महत्या, आरोपी गिरफ्तार

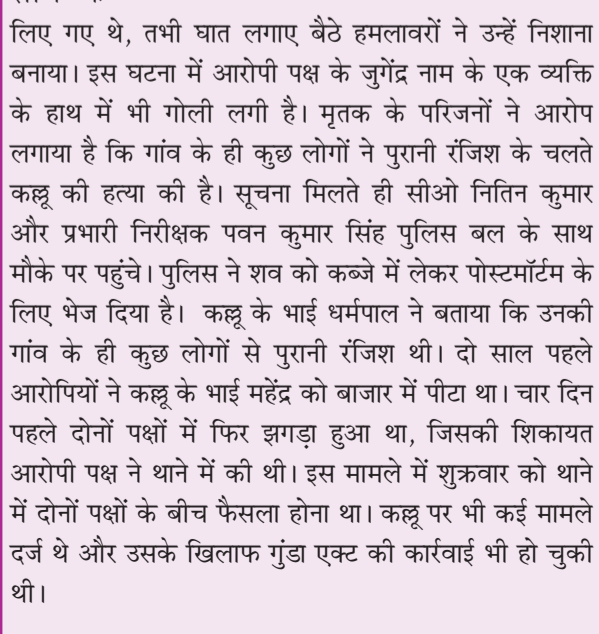
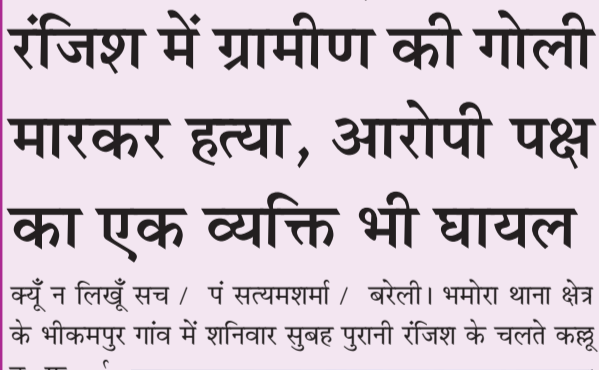
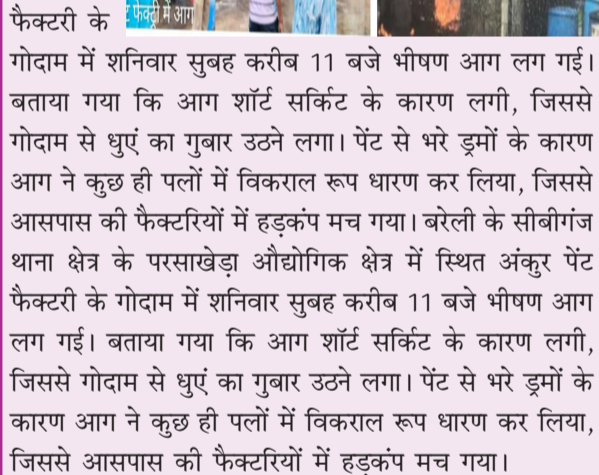
क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना किला क्षेत्र में एक युवती आत्महत्या पुलिस ने एक गिरफ्तार कर लिया मामला प्रेम विरोध से जा रहा है। थाना किला में दर्ज मुकदमा संख्या 154/2026 धारा 108 बीएनएस के तहत पुलिस ने अजय पुत्र नन्हे लाल, सावित्री व तुलसी निवासी फूलबाग किला छावनी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि इन लोगों द्वारा युवती को प्रताड़ित किया गया, जिसके चलते उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार शनिवार को गश्त के दौरान किला नदी की पुलिया के नीचे से आरोपी अजय (22 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका मृतका के साथ प्रेम प्रसंग था, लेकिन परिवार वाले शादी के लिए तैयार नहीं थे। इसी तनाव के चलते युवती ने आत्महत्या कर ली। किला प्रभारी निरीक्षक सुभाष कुमार, उपनिरीक्षक वीरभद्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल बिजेन्द्र सिंह सहयोग रहा।

पेंट के गोदाम में लगी भीषण आग, औद्योगिक क्षेत्र में मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र के परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित अंकुर पेंट फैक्टरी के गोदाम में शनिवार सुबह करीब 11 बजे भीषण आग लग गई। बताया गया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिससे गोदाम से धुएं का गुबार उठने लगा। पेंट से भरे ड्रमों के कारण आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास की फैक्ट्रियों में हड़कंप मच गया। बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित अंकुर पेंट फैक्टरी के गोदाम में शनिवार सुबह करीब 11 बजे भीषण आग लग गई। बताया गया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिससे गोदाम से धुएं का गुबार उठने लगा। पेंट से भरे ड्रमों के कारण आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास की फैक्ट्रियों में हड़कंप मच गया।

रंजिश में ग्रामीण की गोली मारकर हत्या, आरोपी पक्ष का एक व्यक्ति भी घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भमोरा थाना क्षेत्र के भीकमपुर गांव में शनिवार सुबह पुरानी रंजिश के चलते कल्लू उर्फ कल्याण की गोली मार कर हत्या कर दी गई। कल्याण खेत पर शौच के लिए गए थे, तभी घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया। इस घटना में आरोपी पक्ष के जुगेंद्र नाम के एक व्यक्ति के हाथ में भी गोली लगी है। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि गांव के ही कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते कल्लू की हत्या की है। सूचना मिलते ही सीओ नितिन कुमार और प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। कल्लू के भाई धर्मपाल ने बताया कि उनकी गांव के ही कुछ लोगों से पुरानी रंजिश थी। दो साल पहले आरोपियों ने कल्लू के भाई महेंद्र को बाजार में पीटा था। चार दिन पहले दोनों पक्षों में फिर झगड़ा हुआ था, जिसकी शिकायत आरोपी पक्ष ने थाने में की थी। इस मामले में शुक्रवार को थाने में दोनों पक्षों के बीच फैसला होना था। कल्लू पर भी कई मामले दर्ज थे और उसके खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई भी हो चुकी थी।



अपर पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों के साथ की मासिक बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उतम ने पुलिस कार्यालय सभागार में जनपद के प्रमुख व्यवसायियों सराफा/पेट्रोल पंप/गैस एजेंसी एवं ईट भट्टा स्वामियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के संबंध में गोष्ठी की। सर्वप्रथम अपर पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न थाना क्षेत्र से आए सभी व्यापारी बंधुओं से उनका परिचय प्राप्त कर कुशलक्षेम जाना तथा उनके क्षेत्र में आ रही प्रमुख समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। गोष्ठी में प्रमुख रूप से व्यापारियों द्वारा यातायात, सड़क अतिक्रमण, बस स्टैंड पर अवैध डगमार वाहनों, पेट्रोल पंपों पर अत्यधिक भीड़-भाड़ की स्थिति एवं स्कूल बसों के फिटनेस से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया गया। उपरोक्त समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने भीड़-भाड़ वाले स्थानों/बाजारों/कस्बों में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अतिक्रमण विरोधी अभियान चलवाने, पेट्रोल पंपों पर भीड़ नियंत्रण हेतु आवश्यक पुलिस प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा स्कूल बसों की नियमित फिटनेस जांच कराए जाने हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही बाजारों की सुरक्षा के लिए रात्रि में पुलिस गश्च/पिकेट बढ़ाने, बैंक/एटीएम के आस पास संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की निरंतर चेकिंग करने तथा थाना/चौकियों पर व्यापारी वर्ग की समस्याओं के निराकरण हेतु नियमित मासिक गोष्ठी आयोजित किए जाने के संबंध

में व्यापारी बंधुओं को आश्वासन किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि पुलिस अधीक्षक ने भीड़-भाड़ वाले स्थानों/बाजारों/कस्बों में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अतिक्रमण विरोधी अभियान चलवाने, पेट्रोल पंपों पर भीड़ नियंत्रण हेतु आवश्यक पुलिस प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा स्कूल बसों की नियमित फिटनेस जांच कराए जाने हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही बाजारों की सुरक्षा के लिए रात्रि में पुलिस गश्च/पिकेट बढ़ाने, बैंक/एटीएम के आस पास संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की निरंतर चेकिंग करने तथा थाना/चौकियों पर व्यापारी वर्ग की समस्याओं के निराकरण हेतु नियमित मासिक गोष्ठी आयोजित किए जाने के संबंध

में व्यापारी बंधुओं को आश्वासन किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि पुलिस अधीक्षक ने भीड़-भाड़ वाले स्थानों/बाजारों/कस्बों में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अतिक्रमण विरोधी अभियान चलवाने, पेट्रोल पंपों पर भीड़ नियंत्रण हेतु आवश्यक पुलिस प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा स्कूल बसों की नियमित फिटनेस जांच कराए जाने हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही बाजारों की सुरक्षा के लिए रात्रि में पुलिस गश्च/पिकेट बढ़ाने, बैंक/एटीएम के आस पास संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की निरंतर चेकिंग करने तथा थाना/चौकियों पर व्यापारी वर्ग की समस्याओं के निराकरण हेतु नियमित मासिक गोष्ठी आयोजित किए जाने के संबंध

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बीसलपुर का सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार / पीलीभीत - सम्पूर्ण समाधान दिवस में 65 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये मौके पर 05 शिकायतों का हुआ निस्तारण। पीलीभीत सूचना विभाग 18 अप्रैल 2026/ जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में तहसील बीसलपुर का सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 65 शिकायती प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में संज्ञान लेते हुए कहा कि अधिकारी अपनी-अपनी विभागीय शिकायतों का गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी शिकायतों का निस्तारण करते हुए, निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड करें। राजस्व सम्बन्धी



मामलों में जहां पर पुलिस प्रशासन की आवश्यकता हो तो वहां पुलिस को साथ लेकर मौके पर निस्तारण कराया जाये। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जनसुनवाई, आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक

सुकोर्ति माधव, मुख्य चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी बीसलपुर, जिला विकास अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, जिला पंचायतराज अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता, जिला कृषि अधिकारी, जिला कल्याण अधिकारी, तहसीलदार बीसलपुर, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना कार्यों के मापदंडों पर मीडिया को दी गई विस्तृत जानकारी, पत्रकार वार्ता में जिज्ञासाओं का समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- जनगणना कार्यों की पारदर्शिता एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट स्थित बेतवा सभागार में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री अनिल कुमार डामोर ने मीडिया प्रतिनिधियों को जनगणना से जुड़े महत्वपूर्ण मापदंडों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए चरणबद्ध रूप से गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। स्व-गणना, मकान सूचीकरण एवं परिवार विवरण संकलन जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही, प्रत्येक नागरिक की सहभागिता को आवश्यक बताते हुए उन्होंने जनगणना को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका श्री डामोर द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। उन्होंने यह



भी स्पष्ट किया कि जनगणना से संबंधित सभी जानकारी गोपनीय रखी जाती है और इसका उपयोग केवल नीतिगत योजना निर्माण के लिए किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित मीडिया कर्मियों से अपील की गई कि वे जनगणना के प्रति आमजन को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि यह महत्वपूर्ण कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री अनिल कुमार डामोर ने बताया कि सीएमएस पोर्टल सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (Census Management And Monitoring System) पोर्टल के माध्यम से जनगणना के समस्त कार्य का रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। Census 2027 - Housing operation app के माध्यम से मकान

सूचीकरण एवं मकान की गणना के आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे तथा Census 2027 - population enumeration app के माध्यम से मकान की जनसंख्या के आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। इस बार की जनगणना विशेष, डिजिटल तरीके का प्रयोग - जनगणना 2027 अंतर्गत प्रथम चरण में 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना फरवरी 2027 से शुरू होगी। बेघर परिवारों की गणना भी द्वितीय चरण में की जाएगी। की बचत, सटीक जानकारी, तेज डाटा संग्रहण, भारत देश में शुरू हो रही जनगणना यानी देश में कितने लोग हैं इसकी गिनती है। इस बार की जनगणना बहुत ही विशेष है, जिसमें डिजिटल तरीके का उपयोग किया जा रहा है। जनगणना का कार्य दो चरणों में पूर्ण होगा।

बालश्रम मुक्त उत्तर प्रदेश शिक्षा का वादा एक नया इरादा अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती -बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश - शिक्षा का वादा, एक नया इरादा अभियान के तहत ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित ब्लॉक जमुनहा के ग्राम पंचायत चौबेडीह एवं अचरौरा शाहपुर में बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश - शिक्षा का वादा, एक नया इरादा अभियान के अंतर्गत मिशन वात्सल्य (ग्राम बाल संरक्षण समिति) की बैठक ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान बाल श्रम उन्मूलन, बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही बाल श्रम में संलिप्त बच्चों की पहचान कर उन्हें



शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कराने पर विस्तृत चर्चा की गई। बीओसीडब्ल्यू (BOCW) के अंतर्गत ई-श्रम कार्ड बनवाने पर भी विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से बाल श्रम के दुष्परिणामों तथा बच्चों के अधिकारों के संबंध

में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं एवं समुदाय के अन्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। बैठक में समस्त विद्यालय स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री, आशा, एएनएम एवं अन्य संबंधित हितधारक उपस्थित रहे। साथ ही एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन से अभिषेक तथा देहात इंडिया से सारजन वर्मा की उपस्थिति रही।

विधायक एवं जिलाधिकारी ने कटना नदी के पुनरुद्धार कार्य का वहादिया से किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार / पीलीभीत - नदी के पुनरुद्धार से बाढ़ से मिलेगी निजात, भूजल स्तर में होगा सुधार-मा0 विधायक जल संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम-जिलाधिकारी बीसलपुर विधायक श्री विवेक वर्मा एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने आज विकास खण्ड बिलसण्डा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत वहादिया में कटना नदी का पुनरोद्धार कार्य का विधि-विधान से पूजन कर कार्य की शुरुआत की। मा0 विधायक एवं जिलाधिकारी ने फावड़ा चलाकर नदी के पुनरोद्धार हेतु श्रमदान किया। मा0 विधायक जी ने अपने सम्बोधन में जनसमूह को संबोधित करते हुये कहा कि नदियां हमारी सभ्यता की जीवनरेखा हैं। कटना नदी का पुनरुद्धार केवल एक सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक अभियान है। इससे न केवल जल स्तर में सुधार होगा, बल्कि बाढ़ से भी निजात मिलेगी तथा स्थानीय जैव विविधता को भी नया



जीवन मिलेगा। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि कटना नदी को नया जीवन प्रदान करना और क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना है। उन्होंने कहा कि इस कार्य से मनेगा और अन्य योजनाओं के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार भी प्राप्त होगा। नदी की खुदाई और सफाई का कार्य को सही तरीके से कराया जाये। उन्होंने कहा कि नदी के पुनर्जीवित होने से क्षेत्र के भूजल स्तर में सुधार होगा तथा किसानों को सिंचाई हेतु जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की भी हमसबकी

जिम्मेदारी है। इस दौरान जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने ग्रामवासियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान व स्थानीय लोगों द्वारा सराहनीय कार्य हेतु प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी बीसलपुर, तहसीलदार बीसलपुर, खण्ड विकास अधिकारी, लेखपाल, ग्राम प्रधान सहित अन्य उपस्थित रहे।

अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस पर शहीद मेले का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटोरे)/ शिवपुरी,अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस के अवसर पर दो दिवसीय शहीद मेला का आयोजन किया जा रहा है। तात्या टोपे समाधि स्थल पर दो दिवसीय कार्यक्रम रखा गया है। बलिदान दिवस के अवसर पर शनिवार 18 अप्रैल को सुबह तात्या टोपे समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक शिवपुरी देवेन्द्र जैन, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर दिग्विजय सिंह सिकरवार ने तात्या टोपे के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि सभा में तात्या टोपे के वंशज सुभाष टोपे, जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, पूर्व विधायक प्रहलाद

भारती, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य हरवीर रघुवंशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव मुले सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शहर के गणमान्य नागरिक और रकूली छात्र छात्रा शामिल हुए। इस कार्यक्रम में तात्या टोपे के प्रपौत्र सुभाष टोपे को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद प्रोफेसर दिग्विजय सिंह सिकरवार ने तात्या टोपे के बलिदान को याद करते हुए कहा कि तात्या टोपे ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई है उनके बलिदान को आज हम सभी याद कर रहे हैं। किस प्रकार एक वीर योद्धा ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया इसे याद करते हुए तात्या टोपे के जीवन की कहानी को सभी के समक्ष रखा। कार्यक्रम में कलेक्टर अर्पित वर्मा

ने अपने संबोधन में कहा कि अमर शहीद तात्याटोपे का योगदान इतना बड़ा है कि उन्हें सन् 1859 में उन्हें फांसी दी गई। आशा करता हूं कि हम सभी उन्हें याद रखेंगे। श्रद्धांजलि सभा से पहले कार्यक्रम में अतिथियों ने तात्या टोपे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और ध्वजारोहण किया गया और इस प्रकार दो दिवसीय शहीद मेला का शुभारंभ हुआ। प्रभात फेरी निकाली गई- जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा प्रातः पुरानी जिला जेल शिवपुरी से प्रभात फेरी निकाली गई, हाथ में मशाल लेकर जो शहर के मुख्य मार्गों

संक्षिप्त समाचार टीबी मुक्त बरेली अभियान में करें सहयोग : सीएमओ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / ,बरेली। जनपद में क्षय रोग उन्मूलन को लेकर 24 मार्च से चल रहे 100 दिवसीय विशेष अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय है। मुख्य चिकित्सा



अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने आमजन से इस अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि टीबी मुक्त बरेली का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हर व्यक्ति इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि लोग अपने घर से शुरुआत करें और आसपास के लोगों को भी टीबी के प्रति जागरूक करें। अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग कराना बेहद जरूरी है, ताकि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रह जाए। सीएमओ ने बताया कि इस सघन अभियान की सफलता सभी की सहभागिता पर निर्भर करती है। यदि जनपदवासी सक्रिय रूप से इसमें जुड़ते हैं तो बरेली को जल्द ही टीबी मुक्त बनाया जा सकता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. इंतजार हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तर से चिन्हित उच्च जोखिम वाले गांवों में विशेष फोकस किया जा रहा है। इन गांवों में छह हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों के माध्यम से घर-घर जाकर जांच की जा रही है। जिन व्यक्तियों की एक्स-रे रिपोर्ट संदिग्ध आती है, उनके बलागम के नमूने लेकर आगे की जांच कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि शिविरों के माध्यम से अन्य स्वास्थ्य जांच भी की जा रही हैं और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी गांवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। अभियान के तहत 60 वर्ष तक के व्यक्तियों, धूम्रपान व शराब सेवन करने वालों, मधुमेह (शुगर) रोगियों, कुपोषित व्यक्तियों, टीबी मरीजों के संपर्क में आए लोगों, पिछले पांच वर्षों में टीबी से ठीक हुए मरीजों, कारागारों, वृद्धाश्रमों, रैन बसेरों व आवासीय स्कूलों में रहने वाले लोगों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया है। टीबी मरीजों के घर जाकर उनके संपर्क में आए लोगों को प्रिवेंटिव दवा दी जाएगी, जिससे संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। यह दवा सप्ताह में एक बार दी जाएगी। दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, सीने में दर्द, खून आना, थकान, सांस लेने में दिक्कत, रात में पसीना, वजन कम होना और भूख न लगना जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच कराए।

अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने आमजन से इस अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि टीबी मुक्त बरेली का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हर व्यक्ति इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि लोग अपने घर से शुरुआत करें और आसपास के लोगों को भी टीबी के प्रति जागरूक करें। अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग कराना बेहद जरूरी है, ताकि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रह जाए। सीएमओ ने बताया कि इस सघन अभियान की सफलता सभी की सहभागिता पर निर्भर करती है। यदि जनपदवासी सक्रिय रूप से इसमें जुड़ते हैं तो बरेली को जल्द ही टीबी मुक्त बनाया जा सकता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. इंतजार हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तर से चिन्हित उच्च जोखिम वाले गांवों में विशेष फोकस किया जा रहा है। इन गांवों में छह हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों के माध्यम से घर-घर जाकर जांच की जा रही है। जिन व्यक्तियों की एक्स-रे रिपोर्ट संदिग्ध आती है, उनके बलागम के नमूने लेकर आगे की जांच कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि शिविरों के माध्यम से अन्य स्वास्थ्य जांच भी की जा रही हैं और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी गांवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। अभियान के तहत 60 वर्ष तक के व्यक्तियों, धूम्रपान व शराब सेवन करने वालों, मधुमेह (शुगर) रोगियों, कुपोषित व्यक्तियों, टीबी मरीजों के संपर्क में आए लोगों, पिछले पांच वर्षों में टीबी से ठीक हुए मरीजों, कारागारों, वृद्धाश्रमों, रैन बसेरों व आवासीय स्कूलों में रहने वाले लोगों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया है। टीबी मरीजों के घर जाकर उनके संपर्क में आए लोगों को प्रिवेंटिव दवा दी जाएगी, जिससे संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। यह दवा सप्ताह में एक बार दी जाएगी। दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, सीने में दर्द, खून आना, थकान, सांस लेने में दिक्कत, रात में पसीना, वजन कम होना और भूख न लगना जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच कराए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knslive@gmail.com

श्रद्धांजलि सभा में तात्या टोपे के बलिदान दिवस पर शहीद मेले का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटोरे)/ शिवपुरी,अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस के अवसर पर दो दिवसीय शहीद मेला का आयोजन किया जा रहा है। तात्या टोपे समाधि स्थल पर दो दिवसीय कार्यक्रम रखा गया है। बलिदान दिवस के अवसर पर शनिवार 18 अप्रैल को सुबह तात्या टोपे समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक शिवपुरी देवेन्द्र जैन, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर दिग्विजय सिंह सिकरवार ने तात्या टोपे के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि सभा में तात्या टोपे के वंशज सुभाष टोपे, जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, पूर्व विधायक प्रहलाद

भारती, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य हरवीर रघुवंशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव मुले सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शहर के गणमान्य नागरिक और रकूली छात्र छात्रा शामिल हुए। इस कार्यक्रम में तात्या टोपे के प्रपौत्र सुभाष टोपे को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद प्रोफेसर दिग्विजय सिंह सिकरवार ने तात्या टोपे के बलिदान को याद करते हुए कहा कि तात्या टोपे ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई है उनके बलिदान को आज हम सभी याद कर रहे हैं। किस प्रकार एक वीर योद्धा ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया इसे याद करते हुए तात्या टोपे के जीवन की कहानी को सभी के समक्ष रखा। कार्यक्रम में कलेक्टर अर्पित वर्मा

ने अपने संबोधन में कहा कि अमर शहीद तात्याटोपे का योगदान इतना बड़ा है कि उन्हें सन् 1859 में उन्हें फांसी दी गई। आशा करता हूं कि हम सभी उन्हें याद रखेंगे। श्रद्धांजलि सभा से पहले कार्यक्रम में अतिथियों ने तात्या टोपे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और ध्वजारोहण किया गया और इस प्रकार दो दिवसीय शहीद मेला का शुभारंभ हुआ। प्रभात फेरी निकाली गई- जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा प्रातः पुरानी जिला जेल शिवपुरी से प्रभात फेरी निकाली गई, हाथ में मशाल लेकर जो शहर के मुख्य मार्गों

से संबंधित अस्त्र-शस्त्र की प्रदर्शनी लगाई गई है। शहर के नागरिक प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे हैं। श्रद्धांजलि सभा के दौरान मुख्य अतिथि सहित गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। आज होगा

कवि सम्मेलन का आयोजन शहीद मेला में 19 अप्रैल (रविवार) को सायं 7 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुकेश मौलवा-ओज-इंदौर, डॉ. कविता किरण श्रृंगार-उदयपुर, सुश्री मनु वैशाली-श्रृंगार / गीत-दिल्ली, दिनेश याज्ञनिक ओज रायसेन, मुकेश शाण्डिल्य-हास्य-हरदा, शंभू मनहर-गीतकार-खरगौन, अंजली गुप्ता श्रृंगार-शिवपुरी, हरीश हंगामा-हास्य-चित्तौड़गढ़, आशुतोष शर्मा-सब रस-शिवपुरी, आशीष पट्टेरिया हास्य-शिवपुरी से पधार कर अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे।

दिल्ली से आया मामा, होटल में मिली मौत! हत्यारोपी महिला बोली- नहीं मारती तो फिर करता गंदी हरकत



आगरा के होटल ताजपथ में महिला ने रिश्ते के मामा खिल्लो की हत्या कर दी और आरोप लगाया कि वह लंबे समय से ब्लैकमेल कर शोषण की कोशिश कर रहा था। दिल्ली में काम करने वाले मृतक के घरवालों को यह तक नहीं पता था कि वह कब आगरा आया, जिससे परिवार और रिश्तेदार हैरान रह गए। आगरा के मलपुरा थाना क्षेत्र के इटौरा स्थित होटल ताजपथ में हुए हत्याकांड में चौकाने वाला तथ्य सामने आया है। विवाहिता ने जिस मामा खिल्लो का बेरहमी से कत्ल किया, उसके घरवालों को पता नहीं था कि वो कब आगरा आया था। खिल्लो दिल्ली में काम करता था। उसने होटल में अपने नाम से ही कमरा लिया था। होटल के कमरे में रिश्ते के मामा की हत्या करने के बाद आरोपी महिला को कोई अफसोस नहीं था। वह बार-बार एक ही बात कह रही थी कि वह उसे जान से नहीं मारती तो वो उसके साथ गलत हरकत करने में सफल हो जाता। दो महीने पहले भी होटल में बुलाकर गलत

हरकत की थी। ब्लैकमेल कर परेशान कर रहा था। पति को फोटो और वीडियो दिखाने की धमकी दे रहा था। एसीपी सैंया डॉ. सुकन्या शर्मा ने बताया कि पूछताछ में महिला पहले कुछ भी बताने के लिए तैयार नहीं थी। पुलिस को लग रहा था कि हथौड़े से प्रहार कर हत्या की गई है। पुलिस ने गले पर भी कट का निशान देखा। इस पर महिला से सख्ती से पूछताछ की। उसने बताया कि रिश्ते का मामा उसे काफी परेशान कर रहा था। बार-बार मिलने के लिए बुलाता था, वो चाहता था कि जैसा चाहे वैसा करती रहे। वह इससे तंग आ गई थी। इसलिए तैयारी करने के बाद आई थी। उसने बैग में सर्जिकल ब्लेड और हथौड़ा रख लिया था। महिला ने हत्या के बाद छत पर मोबाइल को हथौड़े से तोड़ दिया था। इस मोबाइल में ही उसके मृतक के साथ बने वीडियो और फोटो होने की आशंका है। इसे विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जाएगा। वहीं गला काटने में प्रयुक्त सर्जिकल ब्लेड को भी होटल से बाहर की तरफ फेंक

दिया था। इसके अलावा कमरे से बीयर की केन और थैला भी बरामद किया गया है। भाई अजय ने पुलिस को बताया कि खिल्लो दिल्ली में काम करता था। उसने 20 मार्च को रुपये खाते में भेजने की बात कही थी। मगर रकम नहीं भेजी। वह कभी कभार घर आता था। मलपुरा में कैसे पहुंच गया? यह किसी को पता नहीं है। दोपहर में पुलिस ने ही होटल में हत्या की जानकारी दी है। अब तक रिश्तेदार महिला से संबंध की कोई जानकारी नहीं थी। रिश्तेदार हो गए हैरान- आरोपी महिला की शादी वर्ष 2014 में हुई थी। मायका सदर क्षेत्र में है। पति और देवर कपड़े की दुकान पर काम करते हैं। उन्हें नहीं पता था कि वह होटल में क्यों गई थी। महिला के पिता विजय सिंह ने बताया कि खिल्लो को बचपन से ही उन्होंने पाला था। उन्हें दोनों के संबंध के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सभी रिश्तेदार हैरान हैं कि आखिर ऐसे कैसे हो गया? गांव के लोग भी हत्याकांड के संबंध में तरह-तरह की बात कर रहे थे।

सात दिवसीय श्रीराम ज्ञान कथा यज्ञ का आयोजन



क्यूं न लिखूं सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- विकास क्षेत्र जमुनहा अन्तर्गत थाना हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र में गोविंद दास जी महाराज कुट्टी ग्राम पंचायत बभनपुरवा में सात दिवसीय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का कार्यक्रम चला इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्रीराम कथा का यह पावन आयोजन भरत दास त्यागी जी महाराज (छोटी छावनी, श्रीधाम अयोध्या) एवं समस्त ग्रामवासियों के व जनसहयोग से संपन्न हुआ। ?संगीत की धुनों पर थिरके भक्त ?बलरामपुर के भुरेश्वर नाथ सेवा

संस्था, बदरौलिया से पधारे कथा व्यास अशोक जी महाराज अपनी ओजस्वी वाणी और संगीत के माध्यम से प्रभु राम की लीलाओं का वर्णन कर किए कथा के दौरान उनके द्वारा गाए गए भजनों पर भक्त भावविभोर होकर झूमते नजर आए। ?कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र गिरन्ट के समाजसेवी संतोष शर्मा ने कथा व्यास अशोक जी महाराज को अंग वस्त्र भेंट कर और माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया। ?भरत दास त्यागी बाबा ने शुक्रवार को कथा में पहुंचने वाले भक्तों का आह्वान करते हुए कहा कि राम कथा जीवन के दुखों को हरने वाली और

मुन्यु को समर्गा दिखाने वाली है। बाबा ने बताया भगवान प्रभु की इच्छा से सब हो गया और सोये हुए हर हिन्दू समाज को रात्रि में बड़े ही धूमधाम से श्री राम विवाह हुआ। इस मौके पर पुजारी मिश्रा, राजू मिश्रा, पिन्टू मिश्रा, कांग्रेस मिश्रा, हरीश मिश्रा, चिंता राम मिश्रा, ओमकार मिश्रा, मोतीलाल त्रिपाठी, सतीश त्रिपाठी, प्रदीप त्रिपाठी, संदीप त्रिपाठी, रामदयाल शर्मा, संतोष शर्मा, कमेश्वरी यादव, मालिक राम यादव, सुरेश यादव, गोबरे, बाबा रामदुलारे यादव, मिश्रीलाल, विलाश, शंकर, फेरन, आदि लोग मौजूद रहे।

नोएडा बवाल: श्रम कानून उल्लंघन में 203 ठेकेदारों के लाइसेंस होंगे निरस्त, कई को 1.16 करोड़ की पेनल्टी का नोटिस



नोएडा में हुए बवाल, आगजनी और तोड़फोड़ के पीछे साजिश की आशंका है। पुलिस के साथ एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, त्रिपुरा समेत कई राज्यों के युवकों के शामिल होने का शक है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले 24 कारखानों से जुड़े 203 ठेकेदारों के लाइसेंस निरस्त करने, राशि की वसूली करने और एजेंसियों को काली सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी ने बताया कि श्रमिकों के उपद्रव में कई ठेकेदारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई। वहीं, श्रम कानूनों का पालन नहीं करने पर ठेकेदारों के खिलाफ 1.16 करोड़ रुपये की पेनल्टी के नोटिस जारी किए गए हैं। अन्य ठेकेदारों की भी जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की बताया गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद में 74 अनुसूचित नियोजनों के श्रमिकों के वेतन में 21 फीसदी की वृद्धि की गई है। कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ और ईएसआई के अतिरिक्त कोई अन्य कटौती का मामला सामने आता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। वेतन भुगतान में देरी या कम भुगतान पर ठेकेदारों की भी जवाबदेही तय की जाएगी। नोएडा बवाल की साजिश में शहर के चार युवकों पर शक की सुई नोएडा में हुए बवाल, आगजनी और तोड़फोड़ के पीछे साजिश की आशंका है। पुलिस के साथ एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, त्रिपुरा समेत कई राज्यों के युवकों के शामिल होने का शक है। एसीटीवी कैमरों की फुटेज और घटना के दौरान बनाए गए वीडियो खंगाले जा रहे हैं। शहर के चार से पांच युवकों पर भी शक है। शुक्रवार को नौबस्ता

और बादशाहीनाका क्षेत्र से कुछ लोगों को इसी सिलसिले में उठाया गया है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की फैक्ट्रियों में तोड़फोड़, आगजनी, पुलिस व अन्य सरकारी वाहनों को नुकसान पहुंचाने की घटना हुई थी। पुलिस ने बवाल करने वालों को मशकत कर शांत कराया। अलग-अलग इकाइयों में एकदम से भीड़ उग्र हुई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस के साथ प्रतिष्ठानों पर पथराव हुआ। पुलिस और प्रशासन ने खुफिया, इंटेलीजेंस, एलआईयू आदि से जांच कराई जिनकी प्रारंभिक जांच में बवाल के पीछे साजिश की आशंका जताई गई। सूत्रों के मुताबिक कुछ प्रतिष्ठानों में फेस रिक्लनाइजेशन (चेहरे पहचानने वाले) कैमरे लगे हुए हैं। उनमें संधिधों के वीडियो मिले हैं। कुछ युवक पत्थर, तेल के गैलन, सबल लिए नजर आ रहे हैं। उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। कानपुर के चार से पांच युवकों पर भी शक है। इनमें से दो वहां रहने के साथ सब्जी व फल का कारोबार करते हैं। उनके बारे में नौबस्ता और बादशाहीनाका क्षेत्र से जानकारी जुटाई गई है। कुछ लोगों को उठाया गया है। अब तक किसी जांच एजेंसी ने कोई संपर्क नहीं किया है। एसटीएफ अपने स्तर पर जांच कर रही है। अगर जांच में कोई सहयोग मांगा जाता है तो कमिश्नरी पुलिस उनकी मदद करेगी। संचल्य शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय व अपराधबड़ी कंपनियों में लगाई फोर्स- श्रमिक आंदोलन को लेकर शुक्रवार को भी क्षेत्र में पुलिस अलर्ट पर रही। वहीं, सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी कंपनियों में पुलिस फोर्स के जवान भी तैनात रहे। यमुना सिटी के सेक्टर-24ए स्थित वीवो कंपनी में बृहस्पतिवार सुबह वेतन को लेकर कंपनी कर्मियों ने हंगामा

अखिलेश यादव ने जहां पी थी चाय, उस दुकान पर खाद्य विभाग का छापा; दुकानदार ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

फतेहपुर में अखिलेश यादव की पसंदीदा चाय की दुकान पर फूड विभाग ने छापा मारकर सैंपल लिए हैं। दुकानदार ने इसे राजनीतिक द्वेष बताया है। फतेहपुर जिले में बेहरा चौकी के पास स्थित एक चर्चित चाय की दुकान में फूड सेफ्टी विभाग ने छापेमारी कर चाय का सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा है। इसी दुकान में दो माह पहले पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चाय पी थी। इसके बाद से दुकान तेजी से चर्चा में आई। दुकान मालिक शोषमन यादव ने बताया कि गुरुवार को फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी व कर्मचार पहुंचे थे। उन्होंने चाय के सैंपल लिए, पूछा कि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय क्यों नहीं बनाते हो। शोषमन का कहना है कि अखिलेश यादव के आने के



बाद से ही परेशान किया जा रहा है। आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई थी शिकायत- उन्होंने बताया कि जब से अखिलेश यादव दुकान में आए हैं, तब से लोग परेशान कर रहे हैं। खाद्य निरीक्षक धीरेंद्र दीक्षित ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर अहमद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि चाय बनाने में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा।

किया था। इस दौरान कर्मचारियों ने वेतन बढ़ाने की मांग करते हुए कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की थी। पुलिस फोर्स ने मौके पर पहुंचकर कर्मियों को समझाया था। विवि के छात्रों व सियासी दल ने मजदूरों को भड़काया- नोएडा में हुए बवाल को भड़काने के पीछे दिल्ली के एक विवादित विश्वविद्यालय के छात्रों और एक सियासी दल के लोगों का हाथ था। जांच के दायरे में आए सियासी दल का जुड़ाव कुछ नक्सली संगठनों से भी है। शासन के निर्देश पर इस मामले की जांच कर रही एसटीएफ की जांच में इसके पुख्ता सुराग हाथ लगे हैं। एसटीएफ इसमें शामिल लोगों को तेजी से चिन्हित कर रही है। जल्द ही उनको गिरफ्तार किया जाएगा। कुछ दिन पहले मानेसर में हुए बवाल के दौरान भी यह गुट सक्रिय था- सूत्रों के मुताबिक, नोएडा में बवाल शुरू होने के बाद दिल्ली के एक विश्वविद्यालय के छात्रों का एक गुट वहां पहुंचा, जिसने मजदूरों के गुस्से को भड़काया। इस गुट ने ही गाड़ियों में आग लगाई और पुलिस को निशाना बनाया। इसके अलावा एक राजनीतिक दल के समर्थक भी उनके साथ नोएडा गए थे, जिन्होंने मजदूरों को हिंसा के लिए उकसाया था। पुलिस की सख्ती बढ़ने पर उन्होंने वापस दिल्ली का रुख किया लेकिन कुछ मेट्रो स्टेशन से उन्हें दबोच लिया गया। पूछताछ में उन्होंने कबूला कि उनका मकसद मजदूरों के प्रदर्शन को हिंसक रूप देना था। व्हाट्सएप ग्रुप खंगाल रही एसटीए- जांच में यह भी सामने आया कि इसी गुट ने हरियाणा के मानेसर में बीती 9 अप्रैल को हुए प्रदर्शन के दौरान लोगों को भड़काने का प्रयास किया था ताकि औद्योगिक क्षेत्र में दंगा भड़क जाए। एसटीएफ इस मामले में तमाम ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप को खंगाल रही है, जिनके जरिये मजदूरों को भड़काया गया था। एसटीएफ नोएडा और मानेसर में प्रदर्शन करने वालों से कोई वास्ता नहीं था। एसटीएफ नोएडा और मानेसर की घटना में शामिल लोगों का मिलान जांच के दायरे में आए व्हाट्सएप ग्रुप से कर रही है।

संक्षिप्त समाचार एनीमिया मुक्त भारत की समीक्षा बैठक सम्पन्न



क्यूं न लिखूं सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- श्रावस्ती जनपद में गोर खपुर एम्स एवं यूनिसेफद्वारा एनीमिया मुक्त भारत, सैम प्रबंधन कार्यक्रम में एस आर सी एन परियोजना के तहत सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस क्रम में आज एस आर सी एन टीम के सहयोग से मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की समीक्षा हुई। जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ सभी ब्लॉक के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षकगण, बीपीएम, बीसीपीएम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के गुणवत्तापूर्ण संचालन के लिए सख्त निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने मधवापुर घाट का किया निरीक्षण कटान से बचाने के लिए किये जाएं उपाय

क्यूं न लिखूं सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- श्रावस्ती जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने विकास खण्ड जमुनहा अ - त ग ' त मधवापुर घाट का निरीक्षण कर जायजा लिया तथा बरसात के पूर्व सड़क को पूरी मजबूती से युद्ध स्तर पर



मरम्मत कराकर दुरुस्त करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी दशा में सड़क को क्षतिग्रस्त से होने से बचाने के लिए कारगर कदम उठाएँ और मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने वहीं पर उपस्थित अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं अधिशासी अभियंता बाढ़ कार्य खण्ड को निर्देश दिया कि यह भी ध्यान रखा जाए कि सड़क किसी भी दशा में कटने न जाए। सड़क के दोनों ओर अतिरिक्त मिट्टी की पट्टाई कराया जाए। जिससे सड़क को सम्भावित बाढ़ के दौरान कटने से बचाया जा सके।

भीषण गर्मी एवं चिलचिलाती धूप के बीच एस ए टी आई कर्मचारियों का धरना जारी

क्यूं न लिखूं सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ पिछले 13 दिनों से 7 माह से वेतन न मिलने के कारण एस ए टी आई के कर्मचारी धरने पर बैठे हुए हैं जिससे कॉलेज का सामान्य कामकाज एवं लगभग 850 विद्यार्थियों का शैक्षणिक कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस हड़ताल को विदिशा के अनेक सामाजिक संगठन, व्यापार महासंघ एवं अन्य संगठनों का भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ है, परंतु प्रबंधन एवं शासन की ओर से अभी तक किसी कार्यवाही की जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। दो दिन के अवकाश के बाद मंगलवार तक कुछ समाधान होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि मंगलवार तक कोई ठोस समाधान नहीं निकलता है तो इस प्रदर्शन को संस्था परिसर के बाहर विदिशा शहर की सड़कों पर जन समर्थन के सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा। इस भीषण गर्मी में धरना प्रदर्शन में बैठे हुए कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है लेकिन प्रबंधन कर्मचारियों की कोई सुध नहीं ले रहा है जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।



बाद से ही परेशान किया जा रहा है। कुल्हड़ में पी थी अखिलेश ने चाय- बीते 20 फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को खागा तहसील के अफोई गांव में पूर्व विधायक मोहम्मद शफीर के घर पहुंचे थे। वहां से लौटते वक्त खागा चौकी चौराहा पहुंचे, शोषमन की दुकान में कुल्हड़ की चाय पी। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर फोटो भी वायरल की थी।

दैनिक अखबार क्यूं न लिखूं सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए 9027776991 knslive@gmail.com

Obesity and sugar will be controlled! Just start adding these ingredients to wheat flour.

Gluten-related issues have led many people to replace wheat flour with other flours these days. Wheat flour can also be made healthier by adding ingredients like soy flour and gram flour. Mixing soybean, gram flour, or ragi with wheat seeds add protein. A meal without roti is wheat roti can cause bloating for some, others may companion to dal or vegetables, be prepared in a roti this way: A wheat roti provides a maximum gap, you need to enrich your flour with the two to three teaspoons of soybean flour into the approximately 22 grams of protein and enhances while making roti. Ragi flour: 100 grams of gram calcium and iron. Quinoa flour: With 14 grams of flour is a very healthy option. Add seeds and nuts: sources like seeds and nuts. These are rich in Flax seeds: 23 grams of protein per 100 grams; grams; Almonds or peanuts: 100 grams of powder protein. Healthy flour can also be made from urad dal on a pan and prepare a fine powder. You It can also be made rich in protein - Along with making the flour protein rich, you can also prepare it with protein rich filling, like paneer paratha, moong dal stuffed paratha. You can eat roti with sprouted moong or chana sabji or with dal. This can also fulfill the protein gap.



flour can boost protein. Chia, flaxseed, and pumpkin unimaginable in an Indian household, but while regular experience allergies. So, how can roti, the most trusted way that is both filling and healthy? Make protein-rich of 3 grams of protein, which is very low. To bridge this following: Soybean flour: While kneading the dough, mix dough. Gram flour: 100 grams of gram flour provides the taste of roti. You can also add a small amount of it flour not only contains 6-8 grams of protein, but also protein and 9 essential amino acids per 100 grams, quinoa To make wheat flour rich in protein, you can use excellent protein: Chia seeds: 20 grams of protein per 100 grams; Pumpkin seeds: About 28 grams of protein per 100 of both of these contains approximately 35 grams of pulses and beans - Lightly roast moong dal, chana dal or can mix this powder with wheat flour while making roti.

Do deep marks appear on your feet after removing your socks? Don't take these warning signs lightly.

When you take off your socks in the evening after returning from work, the marks may remain for a short while, but if they persist for more than an hour, they may indicate a health problem. Sock marks may indicate vein problem. If marks persist for more shoes is not an option, but it is essential caused by shoe friction and act as a after removing socks, they may indicate some such problems. Peripheral edema - swelling in the soles and ankles, tight and to peripheral edema. This happens when of the body. Vein-related problems - If minutes after removing your socks, if you skin appears discolored, it could be a vein- more than men, and consultation with a - Whether taking medications for a long cause swelling in the feet as a side effect. sometimes cause a slight increase in the Although the appearance of sock marks job requires sitting or standing for long in the following situations: If the marks socks cause wounds, swelling, or if the feet swelling in the legs, and abnormal urine there is any pre-existing kidney or liver long flight, keep these things in mind Wear socks made of breathable material like cotton If there are blood circulation problems, compression stockings are better In case of blood circulation problems, avoid wearing short socks that put pressure on the ankles; seamless varieties are more comfortable Wearing socks one size larger can reduce pressure



peripheral edema. Long-term marks indicate a than an hour, consult a doctor. Wearing socks with for the safety of your feet. They prevent blisters support. If 3D marks persist even a few minutes a health problem. In this article, we will explore Mild sock marks are not a cause for concern, but shiny skin, stiffness, or pain in the feet may be due fluid accumulates in the tissues of the lower part your veins appear more taut or visible for a few experience stiffness or pain in your legs, or if your related problem. Women suffer from this problem vascular specialist is essential. Certain medications time or for a month or two, some medications can For example, high blood pressure medications can size of the ankles. This is a matter of concern - is not a serious matter, especially if the person's periods of time. But it's important to be cautious persist for more than an hour If the edges of the feel hot If there is difficulty breathing, chest pain, color If one leg appears thicker than the other If problem or a family history If you have flown a

A 9-to-5 job is taking away your glow. What's the truth behind 'office-air glow-down'?

Your face looks radiant when you arrive at the office, but why does it turn dull by afternoon? Low-humidity office air dehydrates the skin. A weak skin barrier and an oily scalp are also major factors, along with lifestyle factors. Lack of water also diminishes glow. A new term, "office-air glow-down," is making the rounds on social media these days. People are sharing videos of themselves excitedly getting ready for work in the morning, donning the perfect dopamine dressing, but by evening, their glow is gone. People say this is due to the office air, a theory being called the office air theory. But is your office air really taking away your glow? What is office-air glow-down? Simply put, it's a condition where, after spending the entire day in a closed office environment, your skin loses its radiance by evening. Internet users believe that recycled office air and artificial lighting make your face look tired and aged. That's why your face starts to look tired and dull by evening. Is the air really the culprit? Poor ventilation and air conditioning can be the main reasons for a lack of glow in the office. Low humidity - In offices with air conditioning, the moisture level in the air becomes very low. When you sit in low-humidity air for hours, moisture is rapidly lost from the skin. This causes the skin to feel stretched, dull, and dehydrated. Weakened barrier - Dry air weakens the skin's natural skin barrier. This makes the skin more sensitive and can lead to problems like eczema or irritation. Oily scalp and hair - When the air is very dry, our scalp begins to produce more sebum to compensate. This is why hair becomes sticky and oily by evening. Dehydration shock: The heat, sweat, and dust on your way to work, and then suddenly being exposed to the cold environment of the office, is a major shock for the skin. This sudden change dehydrates the skin. Is this just an office problem? No, this problem can occur in any closed environment where humidity is low, be it your home or a mall. Furthermore, your lifestyle also plays a major role. Drinking less water, sitting in front of a screen for long hours, and excessive caffeine can also diminish your complexion.

ऑफिस ग्लो डाउन से कैसे बचें?

Tips

1. खूब सारा पानी पिएं
2. फेस मिस्ट का इस्तेमाल करें
3. ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें
4. अच्छा मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन लगाएं
5. थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लें और ताजी हवा लें

No, this problem can occur in any closed environment where humidity is low, be it your home or a mall. Furthermore, your lifestyle also plays a major role. Drinking less water, sitting in front of a screen for long hours, and excessive caffeine can also diminish your complexion.

Now, there will be a grand battle on OTT.. Amidst the noise of singing, there will be plenty of action; Lukkhe's first look is out.

Among the new web series and films on OTT, a new series has recently been announced, with a powerful story. The first look of the series has recently been released. Lukkhe's first look is out - a story of melodies and revenge will premiere on May 8th. New web series and Meanwhile, a new story will soon be seen upcoming series has recently been is about to become a big hit. Lukkhe's new recently announced its new series and poster for their upcoming series has 'Lukkhe'. Yes, "Lukkhe" is coming soon, Video) has recently been released. The plays the lead role in the series. In addition Tiwari, Lakshvir Singh Saran, Shivankit, debut with this series, while Palak is Looking at the poster, it seems something the series? This 8-episode musical action Chandigarh, where rap culture and the story centers on two rappers facing each (Shivankit) are sworn enemies, both in action, singing, drama, and gunfire, love, pain, and hope are woven together. are both loud." Set in Punjab, this series and cinema. Directed by Himank Gaur, the action-drama "Lukkhe" is produced by Vipul D. Shah and Rajesh Bahl under the banners of Optimistics Entertainment and White Guerrilla LLP. The premiere of "Lukkhe" will take place on May 8th on Amazon Prime Video.



The first look of the series has recently been released. Lukkhe's first look is be shown on OTT platforms - the series will films are being announced on OTT platforms. on OTT platforms. The poster for this released, and after seeing it, it seems that OTT poster released - Amazon Prime Video films coming this year. Among these, the recently been released. We are talking about and the series' poster (Lukkhe on Prime poster features the entire cast. Rashi Khanna to Rashi, the poster also features Palak and singer-rapper King. King is making his making her OTT debut with this series. new is in store this time. What is the story of drama series is based on the vibrant heart of artists' ambitions intersect with crime. The other. Rappers MC Badnaam (King) and OG their artistic pursuits and as rivals. Amidst Lukkhe is a captivating story, a place where The series' hook line is, "Rap and revenge will explore the intersection of crime, music,

A 31-year-old film has set foot on Prime Video, despite being banned for a significant amount of money.

A 31-year-old film is currently trending heavily on the OTT platform Amazon Prime Video. Released in theaters 31 years ago, the old film is making waves on OTT. The movie was banned after widespread opposition. It's even older films trending, and cinephiles 31-year-old film is currently trending Amazon Prime Video. This film, which maintained its strong presence on OTT. Hindi cinema movie is being discussed trending on Prime Video is Bandit Kapur's Bandit Queen is one of the most This movie is known as the biopic of the Released in theaters in 1995, Bandit on the OTT platform Prime Video. A few Bandit Queen was streamed online on Shekhar Kapur objected to. He believed presented on OTT platforms as it was. Queen have been removed from Prime controversial. Currently, Bandit Queen on Prime Video. The film was banned protests. The matter reached the court, few weeks of its release. Bandit Queen its first week of release, it generated was believed that director Shekhar Kapur, who delivered blockbusters like Mr. India, would be a hit. But then controversy erupted regarding the film, leading to its ban.



common for OTT platforms to see enjoy watching them. One such heavily on the OTT platform was banned in theaters, has So, let's find out which cult classic in this article. The film that's Queen. Yes, director Shekhar popular films in Hindi cinema. famous dacoit Phoolan Devi. Queen is currently making waves years ago, an edited version of Prime Video, a move that the film should have been Certain scenes from Bandit Video, citing them as is among the top trending movies in theaters due to widespread and the film was banned within a performed exceptionally well: In strong box office collections. It

Dhurandhar will be blown away! The world's most expensive film with a budget of ?85 billion is coming, the secret of the story is revealed.

Doomsday is an ambitious film from Marvel Studios, with a budget of ?85 billion. Its first full-length trailer will be released at CinemaCon on April 16th. The trailer for Doomsday will be released at CinemaCon on April 16th. The film has a budget of ?85 billion. Stars like Robert Downey Jr. and Chris Evans will return. Doomsday (Avengers: Doomsday) is set to be one of Marvel Studios' most ambitious films in recent years. Many familiar faces from the MCU, including Robert Downey Jr., Chris Evans, and Chris Hemsworth, will be returning. Directed by Anthony Russo and Joe Russo, the film has further fueled anticipation. The filmmakers have released four teasers over the past year, giving fans a glimpse of the upcoming film. New characters join the cast - According to recent reports, the film's first full-length trailer will be released at CinemaCon on April 16th. Disney is hosting a grand launch event, with the film's cast and producers in attendance. The film will advance the story of Marvel's multiverse and feature a mix of old characters, new faces, and exciting action. The teaser has sparked excitement. The first teaser has already sparked excitement by hinting at several important developments right from the start. Chris Evans is seen returning to his role as Captain America, while the return of Thor has also been hinted at. The X-Men are shown fighting a final battle against mysterious forces, with Wakanda and the underwater kingdom of Taloqan facing looming threats. Along with Avengers: Doomsday, Disney may also promote its other major films, such as The Devil Wears Prada 2 and The Mandalorian & Grogu. This much-awaited Marvel film is scheduled to release in theatres on December 18 this year. The budget of the film is said to be Rs 8500 crore.

